SHRI E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN (Tamil Nadu): I also associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member in his Special Mention.

DISCUSSION ON WORKING OF THE MINISTRY OF WATER RESOURCES
- Contd...

MR. CHAIRMAN: We shall now take up the discussion on the working of the Ministry of Water Resources. *...(Interruptions)...* The Minister will now reply to the discussion. *...(Interruptions)...*

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तराचंल): आदरणीय सभापति जी, हमारी ओर से जो प्रश्न आज सुबह उठाया गया था, उसका अभी तक सरकार की ओर से कोई समाधान नहीं हुआ है। इसलिए पहले उस प्रश्न का समाधान होना जरूरी है, उसके बारे में श्री कृपाल परमार जी ने नोटिस भी दिया हुआ है, और हम लोगों ने भी यहां वह प्रश्न उठाया था कि रेल मंत्री के खिलाफ आज सी.बी.आई. की स्पेशल कोर्ट ने आरोप लगाए हैं, और उन आरोपों में जो चार्जेज़ फ्रेम किए गए है, उनमें 420 जैसी धारा शामिल है, तो चीटिंग, दगाबाजी, धोखा फ्रॉड, अगर इस तरह के मंत्री, मंत्रिमंडल में बैठे रहेंगे, और आप कहते हैं कि हम इसी सरकार के मंत्री का रिप्लाई सुनें ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इन मंत्री जी के खिलाफ तो नहीं हैं ना ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: हमारी ओर से यह संभव नहीं होगा ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मंत्री जी को बोलने दीजिए ....(**व्यवधान**)...उनको बोलने दीजिए ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: इसलिए सरकार, पहले हमारा समाधान करे ....(**व्यवधान**)...सभापति जी, प्रश्नकाल और विशेष उल्लेख, इनको हम एक अलग श्रेणी में रखते हैं, इसलिए हमने सुबह कहा था कि अगर आप प्रश्नकाल चलाना चाहें, तो हमें उसमें दिक्कत नहीं होगी, और विशेष उल्लेख के लिए आपने अनुमति दी, तो हमने कहा कि ठीक है, विशेष उल्लेख हो जांए, लेकिन सरकार की ओर से कोई जवाब हम सुनें, जिस मंत्रिपरिषद में *मंत्रि बनकर बैठे हों, उस सरकार का जवाब हम सुनें, यह नहीं होगा। पहले हमारा समाधान हों, उसके बाद हम सरकार को सुनेंगे।

श्री सभापति: देखिए, अभी स्पेशल मैंशन लिए गए। मेंबर्स का जबरदस्त आग्रह था कि कई दिनों से स्पेशल मैंशन नहीं हो रहे हैं ....(**व्यवधान**)... एक मिनट , मेरी बात सुनिए। मेंबर्स ने कहा कि कई दिनों से स्पेशल मैंशन नहीं लिए जा रहे हैं, और हमारे बहुत सारे ऐसे इमीडियेट प्रश्न हैं, जिनको हम हाऊस के द्वारा सरकार के समझ ले जाना चाहते हैं। वह हमने एलाऊ कर दिया। अब चार दिन पहले जो डिबेट हुई थी, उसका जवाब खत्म हो जाए....(**व्यवधान**)...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्रीमती सुषमा स्वराज : वह जवाब सरकार की तरफ से आना हैं ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सरकार की तरफ से आएगा ....(**व्यवधान**)...एक मिनट, आप जो इस मामले का जवाब चाहती है, वह भी सरकारी हैं....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: ठीक हैं, आप उसका समाधान करें, वह जवाब पहले, यह जवाब बाद में ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : प्रॉयोरिटी मत लाइए....(**व्यवधान**)... अरे, एक मिनट ....(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल): ये उठ रहे हैं, इसलिए मैं उठ रहा हूं ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैं बोल रहा हूं, आप बैठिए तो सही ....(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: अगर ये उठेगे तो मैं उठूंगा....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैं बोल रहा हूं , अप बैठिए तो सही ....(**व्यवधान**)... मैं वहीं बोल रहा हूं जो मंत्री जी बोल रहे हैं ....(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: जब भी ये उठेंगे,तो मैं उठूंगा । इंटरलॉकिंग हो जाएगी, यह वन-साइडिड नहीं हो सकता है ....(**व्यवधान**)... वह कर रहे हैं, इसलिए मैं भी कह रहा हूं ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैं यही कहना चाहता हूं कि ये बोलें । इसलिए मैं आप लोगों से प्रार्थना करूंगा कि बाकी का चैप्टर , जिस समय लालू जी आ जाएं ....(**व्यवधान**)...

श्री यशवन्त सिन्हा (झारखंड): वह नहीं आ सकतें ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: देखिए, आपने जो मांग रखी है, वह सरकार तक पहुंच गई हैं ....(**व्यवधान**)... बात तो वहां तक पहुंच गई है ....(**व्यवधान**)... एक घंटे में तो कुछ होता नहीं हैं । मंत्री जी को बोलने दीजिए ....(**व्यवधान**)...

SHRI YASHWANT SINHA: The Government today...*(Interruptions)*....

श्री सभापति: देखिए, मुझे क्षमा कीजिए ....(**व्यवधान**)...इस सम्बध में मुझे क्षमा कीजिए ....(**व्यवधान**)...अगर मंत्री जी बोल लें, सरकार बाद में जवाब देगी ....(**व्यवधान**)...इसका मतलब यह नहीं है ....(**व्यवधान**)...यह मामला बिल्कुल डिफरेंट हैं ....(**व्यवधान**)...यह मामला बिल्कुल डिफरेंट है ....(**व्यवधान**)... यह गलत हैं, यह अच्छा नहीं है ....(**व्यवधान**)...इससे क्या होगा ....(**व्यवधान**)...

SHRI YASHWANT SINHA: They all have reached the *...(Interruptions)....* moral turpitude. *...(Interruptions)...*

श्री सभापति: आप बैठिए , कृपया बैठिए । ....(**व्यवधान**)...इसका मतलब यह हुआ ....(**व्यवधान**)...इसका मतलब यह हुआ कि हाउस फैसला कर ले ....(**व्यवधान**)...मेरी सुनिए ,

बात सुन लीजिए । इस बात का आप फैसला कर लीजिए कि जब तक सरकार उस मसले पर जवाब नहीं देगी, हाउस नहीं चलेगा ।**....(व्यवधान)...**

श्री मती सुषमा स्वराज: बिल्कुल ठीक हैं ।

श्री सभापति: तो फिर मैं साइन डाई एडज़र्न कर दूंगा **....(व्यवधान)...**तो फिर मैं साइन डाई एडज़र्न कर दूंगा **....(व्यवधान)...**इनको बोलने दीजिए **....(व्यवधान)...**सदन का दूसरा बिजनेस आप लीजिए **....(व्यवधान)...**सदन का दूसरा **....(व्यवधान)...**ये जवाब नहीं दें सकते **....(व्यवधान)...**यह डिबेट चार दिन से पेंडिंग हैं **....(व्यवधान)...**ये जवाब नहीं दे सकते **....(व्यवधान)...**आप बोलिए **....(व्यवधान)...**

SHRI YASHWANT SINHA: We are not saying that the House should adjourn *sine die.* The Prime Minister should come to the House and explain the whole thing. That is what we are demanding. *...(Interruptions)...*

श्री सभापति: कोई नहीं बोलेगा, कोई नहीं बोलेगा **....(व्यवधान)...**

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): Mr. Chairman Sir, I thank you for having permitted me to reply to the discussion on the working of the Ministry of Water Resources. Sir, after a long spell of time, we take this opportunity to discuss this very important subject and such important Members took part in this debate and made most constructive conclusions and suggestions. I am grateful to them. *...(Interruptions)...* Mr. Chairman, Sir, I thought of the responsible Opposition who initiated the debate *...(Interruptions)...*

श्री सभापति: यह नहीं होगा **....(व्यवधान)...**मैं आपसे हाथ जोड़ता हूं, आप इनका जवाब सुन लीजिए **....(व्यवधान)...**मैं नहीं लूंगा **....(व्यवधान)...**

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: I understand the policy of this Government in so far as Water Resources Ministry is concerned. Sir, with all humility, first of all, I would like to lay emphasis on the policy of UPA Government. *...(Interruptions)...* Sir, How can I speak? *...(Interruptions)...* Sir, there is distinct departure from the earlier NDA Government and the UPA Government as far as policy is concerned. *...(Interruptions)...* Sir, how can I speak on such an important issue of water? *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Really it is an important issue.

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: How do I answer? *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: What can I do? *...(Interruptions)...*

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: Sir, so many issues have been raised. *..(Interruptions)...*

SHRI YASHWANT SINHA: Will you explain the embezzlement of flood relief in Bihar? *...(Interruptions)...*

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: Sir, it is unfortunate that hon. Members do not want to listen to the important reply *...(Interruptions)...* They don't want to hear my reply*...(Interruptions)...* Sir, I am prepared to respond to all the points raised by various hon. Members during the course of the discussion.. *(Interruptions)...* They have no interest in irrigation *...(Interruptions)...*

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, first you listen to our request *...(Interruptions)...*

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: They have no interest to listen about the problems of their States..*(Interruptions)...* They are only interested in political issuea..*(Interruptions)..* .Sir, I conveyed to them *...(Interruptions)...* Possibly, they are not keen to listen*...(Interruptions)...*

श्री सभापति: सदन की कार्यवाही अपराह्न 4 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

The House then adjourned at twenty-eight minutes past two of the clock

The House reassembled at four of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

***STATEMENT RE. SABARMATI EXPRESS ACCIDENT ON 21ST APRIL,** 2005.

श्री सभापति: बोलिए श्री नारनभाई रठवा ।

श्री मती सुषमा स्वराज (उत्तराचंल **:** सभापति महोदय**….(व्यवधान)…**

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नारनभाई रठवा)**:** सभापति महोदय**….(व्यवधान)…**

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सभापति जी, **….(व्यवधान)…**

श्री मती सुषमा स्वराज: सभापति महोदय, हमने प्रार्थना की थी **….(व्यवधान)…**

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी)**:** महोदय, यह रेल दुर्घटना से संबंधित बयान हैं, इसलिए इसको

* Made on behalf of Shri Lalu Prasad, Hon. Minister of Railways.